द्वितीय प्री बोर्ड परीक्षा – 2010
विषय – हिन्दी
कक्षा – X

समय – 3 घंटे **पूर्णांक–100**

खण्ड : 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांशो को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें – (12)

भारत क्या है? यह एक ऐसा प्रश्न है, जो मेरे मन बार–बार उठता है। हमारे इतिहास की आदिम युग की प्रारंभिक घटनाओं ने मेरे मन को आश्चर्य से भर दिया। यह वस्तुतः ऐसी बलवान और तेजस्वी जाति का अतीत था, जिसके पास एक अन्वेषी आत्मा और मुक्त रूप से खोज करने अंतः प्रेरणा थी, और जो अपने इतिहास के ज्ञात प्रारंभिक काल में भी एक परिपक्व और सहनशील सभ्यता का प्रमाण देती है। जीवन और उसके सुखों तथा उत्तरदायित्वों की खोज मे लगी थी। इसमें एक शानदार भाषा, संस्कृति का निर्माण किया और इसे स्थापत्य तथा कलाओं के माध्यम से दूर–दूर तक केन्द्रो को अपना गूँजता हुआ संदेश भेजा। इसने उपनिषदों, गीता और बुद्ध को जन्म दिया। संसार मे शायद ही किसी भाषा ने किसी जाति के इतिहास में जीवन शक्ति प्रदान करने वाली वह भूमिका अदा की हो, जो संस्कृत ने की। यह उच्चतम मनीषा तथा कुछ श्रेष्ठतम साहित्य की संवाहक ही नहीं थी, वरन् भारत के लिए, राजनैतिक विभाजन के बावजूद एकता में बाँधने वाला सूत्र बन गई। हजारों वर्षों तक रामायण और महाभारत हर पीढ़ी के लाखों लोगों के जीवन के ताने–बाने के साथ बुनी गई है। मैं अक्सर आश्चर्य से सोचता रहा हूँ कि यदि हमारी जाति बुद्ध, उपनिषद् और इन महान् काव्यों को भूल जाए तो इसका रूप कैसा होगा। यह जड़ से उखड़ जाएगी और अपनी उन मौलिक विशेषताओं को खो बेठेगी जो इसके साथ जुड़ी रही हैं और पिछले अनेक युगों में दीर्घकाल का धीरे–धीरे पराभव प्रारम्भ हुआ। विचार अपनी ताजगी खोते गये और बासी हो गये और तरूणाई भरे उल्लास तथा प्राण्मयता के स्थान पर जटीलता का युग आ गया। जीवंत साहसिकता की जगह, एक निर्जीव ढर्रे पर चलने वाली जिन्दगी शुरू हो गई। विश्व को देखने की व्यापक तथा अनुप्रेरक सार्वभोम दृष्टि सीमित और संकुचित होती गई और जातिगत विभाजनों, संकुचित सामाजिक रीति रिवाजों को औपचारिक अनुष्ठानों में खो गई। इतना होते हुए भी भारत में इतनी जीवन शक्ति थी कि वह मानवता के इस सशक्त महासागर में, बाहर से आने वाले जन–प्रवाहों को आत्मसात करता गया और उन विचारों को इसने कभी नहीं भुलाया, जिन्होंने इसके यौवन पूर्ण दिनों में इसे आन्दोलित किया था। बाद में भारत इस्लाम के आगमन और मुस्लिम आक्रमणों से अत्यन्त सशक्त रूप से प्रभावित हुआ। तदन्तर पश्चिमी औपनिवेशिक

शक्तियाँ आई, जो एक नये प्रकार का आधिपत्य और नया उपनिवेशवाद लाई; वे इनके साथ ही, नये विचारों का संघात–संपर्क भी लाई। एक लंबे संघर्ष के साथ इस युग का पर्यवसान स्वतंत्रता में हुआ। अब, हम अतीत के समस्त बोझ और भविष्य के अस्त–व्यस्त सपनों और मानसिक हलचलों को लिए हुए भविष्य के सामने खड़ें है। उस भविष्य के, जिसका निर्माण हम करना चाहते है।

1. उपरोक्त गद्यांश उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1
2. भारत ने अपना गूँजता हुआ संदेश दूर–दूर तक किस माध्यम से भेजा? 1
3. हमारी सभ्यता कब जड़ से उखड़ जाएगी और अपनी मौलिक विशेषता को खो बैठेगी? 1
4. भारत में उपनिवेशवाद किसकी देन है? 1
5. विलोम शब्द बनाइए – प्रश्न, एकता। 1
6. लेखक का मन किस कारण से आश्चर्य चकित हो गया? 1
7. भारत कैसी जाति का अतीत था? 1
8. संसार की अन्य भाषाओं की अपेक्षा संस्कृत ने इतिहास में कौन–सी भूमिका अदा की? 1
9. 'ता' प्रत्यय वाले दो शब्द लिखिए। 1
10. 'अस्त–व्यस्त' का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। 1
11. उच्चतम विशेषण की दो अन्य अवस्थाएँ लिखिए। 1
12. रचना के आधार पर रेखांकित वाक्य का प्रकार बताइए। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें– 8

खोल सीना, बाँधकर मुट्ठी कड़ी
मैं खड़ा ललकारता हूँ।
ओ नियति!
तू सुन रही है?
हाँ, वही मैं
जो कि कल तक कह रहा था :
तुम्हीं हो सर्वस्व मेरी
और यह जीवन तुम्हारी कृपा–करूणा का भिखारी,
दान दो संजीवनी का, या गरल दो मृत्यु का: स्वीकार है।
हाँ, वही मैं

आज खोले वक्ष, उन्नत शीश, रक्तिम नेत्र
तुझको दे रहा हूँ, ले, चुनौती
गगन भेदी धोष में
दृढ़ बाहुदंडों को उठाए!

1. किसने, किसे चुनौती दी है? 1
2. कल तक नियति के विषय में कवि की क्या धारणा थी? 1
3. आज उस धारणा में क्या परिवर्तन दिखाई दे रहा है? 1
4. आपकी दृष्टि में इस परिवर्तन का क्या कारण हो सकता है? 1
5. काव्यांश का शीर्षक लिखिए। 1
6. काव्यांश में निहित छेद बताइए। 1
7. काव्यांश में प्रयुक्त एक अलंकार का नाम उदाहरण सहित लिखें। 1
8. काव्यांश में निहित रस व गुण बताइए। 1

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए – 10

(क) पर्यटन एक शौक ही नहीं फलदायी उद्योग है। इसके लाभों पर विचार कीजिए।

(ख) भारत एक प्राचीन देश है। इसकी संस्कृति और इतिहास गौरवशाली है। यह सभी धर्मों और संस्कृतियों का केंद्र है। इसकी महानता अद्भूत है।

(ग) समाचार–पत्र के बिना हमारा जीवन अधूरा है। यह सामाजिक कड़ी है। लोकतंत्र का रक्षक है प्रचार, व्यापार, मनोरंजन और ज्ञान–वृद्धि का सशक्त माध्यम है।

4. आपका टेलीफोन लगभग दस दिन से खराब है आपने महानगर टेलीफोन निगम की दोष सुधार सेवा विभाग में कई बार शिकायत दर्ज की किंतु परिणाम ज्यों का त्यों है। इसकी शिकायत करते हुए महानगर टेलीफोन निगम के प्रबंधक को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपने अपने विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन करवाया और आपकी इसमें सक्रिय भागिदारी रही। इस समारोह का अनुभव बाते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखें। 5

खण्ड – 'ग'

5. क्रिया पद छाँटकर उनके भेद लिखिए – 2

1. किसने उसे रसगुल्ले खिलाए ?
2. वह रात भर जागता रहा।

6. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए – 2

वह पत्र लिखता है।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – 2

1. कमल पाँच किताबें लाया। (विशेषण शब्द छाँटकर विशेषण का भेद लिखिए)
2. वीर सैनिक वीरतापूर्वक लड़े। (विशेषण व क्रिया विशेषण शब्द छाँटिए)

8. निर्देशानुसार उत्तर लिखें– 3

1. उसने कहा कि धरती गोल है। (आश्रित उपवाक्य छाँटिए व भेद बताइए)
2. गरजने वाले बरसते नहीं। (मिश्र वाक्य बनाइए)
3. सभा समाप्त हुई और सब लोग चले गए। (सरल वाक्य बनाइए)

9. निर्देशानुसार उत्तर लिखे – 3

1. मोहन नहीं रोता है। (भाव वाच्य में बदलिए)
2. मुझसे रोटी खाई गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
3. क्या आप दिल्ली जाएँगे?(कर्मवाच्य में बदलिए)

10. निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार स्पष्ट कीजिए – 3

(क) दुख है जीवन–तरू के फूल।

(ख) हरिपद कोमल कमल–से।

(ग) कुटिल कुचार कुकर्म छोड़ दे।

खण्ड – 'घ'

11. निम्नलिखित काव्याशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें : 6

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद–नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करूई ककरी।
सु तौ व्याधि हमकौ ले आए,देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सुर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।।

1. गोपियों ने श्री कृष्ण को हारिल की लकड़ी क्याो कहा है ? उन्होने इस लकड़ी को किस तरह पकड़ा हुआ है ?
2. गोपिकाओं को योग का उपदेश केसा लगता है और क्यों ?
3. काव्यांश की भाषा व रेखांकित पंक्ति में निहित अलंकार बताइए।

अथवा

मधुप गुनगुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत–नीलिमा में असंख्य जीवन–इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंय–मलिन उपहास
तब भी कहते हो– कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।

1. कवि ने मधुप के रूप में किसकी कल्पना की है? वह गुनगुनाकर क्या कह रहा है?
2. मुरझाकर गिरती हुई पत्तियाँ किस तथ्य की ओर संकेत कर रही हैं?
3. 'गम्भीर अनंत नीलिमा' से कवि का क्या अभिप्राय है? उसमें जीवन के असंख्य इतिहास लिखे जाने का क्या तात्पर्य है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 3+3+3=9

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए क्या–क्या तर्क दिए? राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी क्या–क्या सीखें दी? आप किसे सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं क्यों?

(घ) 'संगतकार' की क्या भूमिका होती है? कवि समाज के किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत कर रहा है?

13. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1 x 5 = 5

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवज सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

1. काव्यांश की भाषा बताइए।
2. काव्यांश में निहित किन्हीं दो अलंकारों के नाम बताइए।
3. काव्यांश में निहीत किन्हीं दो अलंकारों के नाम बताइए।
4. काव्यांश से उर्दू भाषा के दो शब्द छाँटकर लिखिए।
5. काव्यांश में आवाज के लिए प्रयुक्त कोई दो विशेषण शब्द लिखिए।

14. निम्नलिखित गद्यांशों का पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2+2+2 = 6

किन्तु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं, हाँ, गाते–गाते कभी–कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनन्द की कौन बात? मैं कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किन्तु नहीं, वह जो कुछ कर रहे थे, उसमें उनका विश्वास बोल रहा था – वह चरम विश्वास, जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

1. पुत्र के शव के निकट बैठकर बालगोबिन भगत लगातार क्यों गाए जा रहे थे और रोती हुई पतोहू को उत्सव मनाने के लिए क्यों कह रहे थे?
2. पुत्र की मृत्यु भी भगत के विचार से आनंद की बात क्यों थी?
3. उनका कौन–सा विश्वास सांसारिक प्राणी को मृत्यु के प्रति निडर होने की प्रेरणा देता है?

अथवा

फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी–कभी लगता है मन में से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते ज़रूर मिलते–खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही, यह कौन संन्यासी करता है?

1. फादर बुल्के को संकल्प से सन्यासी क्यों कहा गया है? वे मन से संन्यासी क्यों नहीं लगते थे?
2. फादर रिश्ते बनाकर उनका निर्वाह कैसे करते थे?
3. फादर बुल्के का कौन–सा व्यवहार संन्यासियों के स्वभाव के अनुकूल नहीं लगता?

15. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 3 x 3 = 9

1. कैप्टन कौन था? उसे कौन–सी बात आहत करती थी?
2. लेखक के सामने नवाब साहब ने खीरा खाने का कौन–सा खानदानी रईस तरीका अपनाया?
3. पाठ के आधार पर फादर कामिल बुल्के की जो छवि उभरती है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
4. मानव की जो योग्यता उससे आत्म विनाश के साधनों का अविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति?

16. (क) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए 4

17. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए – 4

(क) मैं क्यों लिखता हूँ? – पाठ के आधार पर बताइए कि – हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरूपयोग है आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरूपयोग कहाँ–कहाँ और किस तरह से हो रहा है? आप इसे रोकने के लिए क्या–क्या कर सकते हो?

(ख) 'और देखते ही देखते नई दिल्ली की काया पलट होने लगा' – नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या–क्या प्रयत्न किए गए होंगे? 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के संदर्भ में अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर उत्तर दीजिए।

18. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2+2+2=6

(क) 'साना साना हाथ जोड़ि' – पाठ के आधार पर बताइए कि कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग–अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

(ख) 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि अखबारों ने जिंदा नाक लगने की खबर को किस तरह प्रस्तुत किया?

(ग) 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि माँ भोलानाथ को किस प्रकार कन्हैया बनाती?

(घ) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' पाठ के आधार पर बताइए कि संपादक ने यह क्यों कहा कि शर्मा द्वारा लिखी रिपोर्ट सच है, पर छप नहीं सकती?